



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

21 श्रावण 1932 (श०)
(सं० पटना 568) पटना, बृहस्पतिवार, 12 अगस्त 2010

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचना

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 159, दिनांक 12 अगस्त, 2010—बिहार मूल्य वर्द्धित-कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा-15 की उप-धारा (1क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल विनिर्दिष्ट करते हैं कि अधिनियम के अधीन देय कर के बदले एक नियत राशि का विकल्प देनेवाले व्यवसायी के लिए देय राशि एक वित्तीय वर्ष में रु० दस हजार होगी।

2. यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

(सं० बिक्री कर/संशोधन-02/2010—3618 अनु०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य-कर आयुक्त-सह-प्रधान सचिव।

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 160, एस०ओ० 159, दिनांक 12 अगस्त, 2010 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद-348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० बिक्री कर/संशोधन-02/2010—3618 अनु०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य-कर आयुक्त-सह-प्रधान सचिव।

The 12th August 2010

S.O. 159, dated the 12th August 2010—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (1A) of Section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to specify that tax payable by the dealers, who opted to pay a fixed amount in lieu of the tax payable by the dealer under the Act shall be Rs. ten thousand for a financial year.

2. This notification shall come into force with effect from the date of issue.

(No. Bikri Kar/Sansodhaan-02/2010—3618 Anu.)

By order of the Governor of Bihar,

J. R. K. RAO,

Commissioner-cum-Principal Secretary.

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 161, दिनांक 12 अगस्त, 2010—बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा-93 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित-कर नियमावली, 2005 के नियम 11 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:—

संशोधन

नियम 11 अपने उप-नियम (1) (2) एवं (3) के साथ निम्नवत् प्रतिस्थापित किया जायेगा :

“11. धारा-15 के अधीन देय कर के बदले निश्चित दर पर अथवा निश्चित राशि का भुगतान—धारा-15 की उप-धारा (1) अथवा (1क) वैसे व्यवहारियों पर लागू होगा जिनके सकल आवर्त के, उनके अपने प्राक्कलन के अनुसार, एक वित्तीय वर्ष में 40 लाख रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं हो।

(2) धारा-15 के अधीन निश्चित दर पर अथवा निश्चित राशि का भुगतान करने हेतु हकदार व्यवसायी नियम 62 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रपत्र A-XI अथवा A-XIA में सूचित करेगा। यह संसूचना अंचल के काउंटर पर जमा किया जायेगा। काउंटर प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदन हस्ताक्षरित एवं सत्यापित हैं—

(i) उस व्यक्ति को इसके बदले एक रसीद निर्गत करेगा:

(ii) इसे पंजी VR-XII में प्रविष्ट करेगा।

(3) उप-नियम (1) अथवा (4) में किसी बात के अन्तर्विष्ट होते हुए भी यदि धारा-15 के अधीन कर जमा करनेवाले व्यवहारी का सकल आवर्त किसी वर्ष में 40 लाख रुपये से अधिक हो जाये या उसके द्वारा अपने व्यवसाय के प्रयोजनार्थ राज्य के बाहर से किसी वस्तु का आयात किया जाय तो करदेयता के बदले उसकी निश्चित दर पर अथवा निश्चित राशि का कर भुगतान करने की हकदारिता उस तिथि से समाप्त हो जायेगी जिस तिथि को, यथास्थिति, उसका सकल आवर्त प्रथम बार 40 लाख रुपये को पार करता हो अथवा उसके द्वारा राज्य के बाहर से आयातित वस्तु की बिक्री की जाती है।”

उक्त नियमावली के नियम 11 के उप-नियम (3) के नीचे एक नया उप-नियम निम्नवत् जोड़ा जायेगा:—

“(4) धारा-15 की उप-धारा (1क) में सन्निहित प्रावधानों के अध्वधीन समाहितीकरण के इच्छुक व्यवसायी, जिनका सकल आवर्त एक वित्तीय वर्ष में रु० चालीस लाख से अधिक नहीं है, एक नियत राशि का भुगतान जैसा कि अधिसूचित हो, दो बराबर किस्तों में करेगा, प्रथम एवं दूसरी किस्त का भुगतान क्रमशः 30 सितम्बर और 31 मार्च तक किया जायेगा। संबंधित व्यवसायी सितम्बर में अधिसूचित राशि का भुगतान एक बार में भी कर सकते हैं।

(2) अधिनियम में किसी बात के होते हुए समाहितीकरण लेनेवाले व्यवसायी के विरुद्ध कोई संवीक्षा अथवा अंकक्षण नहीं किया जायेगा।

(3) अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन निर्गत अधिसूचना संख्या एस०ओ० 79, दिनांक 13 सितम्बर 2007, जिसके द्वारा करदेय आवर्त का 0.5 प्रतिशत दर विहित की गयी थी, निरसित की जायेगी।

(4) यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

(सं० बिक्री कर/संशोधन-02/2010—3618 अनु०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य-कर आयुक्त-सह-प्रधान सचिव।

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 162, एस०ओ० 161, दिनांक 12 अगस्त, 2010 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद-348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० बिक्री कर/संशोधन-02/2010—3618 अनु०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य-कर आयुक्त-सह-प्रधान सचिव।

[फारम A-XIA]

बिहार मूल्य वर्द्धित-कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उप-धारा (1क) के अंतर्गत पूर्वसूचना

[देखें नियम 11 (2)]

सेवा में,

..... अंचल।

मैं (पूरा नाम), पिता (पूरा नाम) बिहार मूल्य वर्द्धित-कर अधिनियम, 2005 की धारा-15 की उप-धारा (1क) के अंतर्गत निम्न सूचना समर्पित करता हूँ एवं निम्न विवरण उसके प्रयोजनार्थ दाखिल करता हूँ :

(1) नाम एवं व्यवसाय की प्रकृति :-

(2) करदाता पहचान संख्या :-

(3) पूर्व वर्ष का सकल आवर्त (अधिनियम की धारा-15 की उप-धारा (1) के अंतर्गत इच्छित व्यवसायियों के लिए लागू)

घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि इस आवेदन में घोषित सभी सूचनाएँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास में सही एवं पूर्ण हैं।

मैं पुनः घोषणा करता हूँ कि मैं राज्य के बाहर से जैसे ही कोई वस्तु की खरीद/प्राप्ति करता हूँ तो विभाग को सूचित करूँगा।

स्थान—

आवेदक का हस्ताक्षर

तिथि—

व्यवसायी से आवेदक की प्राप्ति

पता

आवेदक व्यवसाय के मालिक द्वारा यदि स्वत्वधिकारी हो, कर्त्ता द्वारा यदि अविभाजित हिन्दु परिवार हो: घोषित पार्टनर द्वारा साझेदारी हो: मेनेजिंग डायरेक्टर, मेनेजिंग एजेंट या प्रिंसिपल एक्सक्यूटिव ऑफिसर यदि कंपनी या कॉरपोरेशन हो: प्रिंसिपल एक्सक्यूटिव ऑफिसर इन्चार्ज यदि सोसाईटी, क्लब, एसोसियेशन, सरकारी विभाग या स्थानीय प्राधिकारी का मामला हो,

पावती

बिहार मूल्य वर्द्धित-कर अधिनियम, 2005 की धारा-15 (1क) के अंतर्गत फार्म A-XIA के अनुमति हेतु आवेदन दिनांक को से प्राप्त किया।

हस्ताक्षर—

हैसियत—

The 12th August 2010

S.O. 161, dated the 12th August 2010—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments to rule 11 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005:

Amendment

Rule 11 with its sub-rule (1) (2) and (3) shall be substituted as follows:

“11. Payment of tax at a fixed rate or amount under section 15 in lieu of the tax payable by a dealer-(1) The provisions of sub-section (1) or (1A) of section 15 shall apply to such dealers whose gross turnover is not expected to exceed forty lacs rupees during a financial year.

(2) A dealer entitled to pay tax at a fixed rate or amount under section 15 shall intimate the authority specified in rule 62 through an application in Form A-XI or A-XIA. Such intimation shall be submitted at the counter of the circle. The incharge of the counter, after ascertaining that all the columns of the application have been properly filled in, signed and verified shall-

- (i) grant the person a receipt in lieu thereof, and
- (ii) enter the same in register VR-XII."

(3) Notwithstanding anything contained in sub rule (1) or (4), if the gross turnover of a dealer paying tax under section 15 exceeds forty lacs rupees during the course of the year or he imports any goods from outside the State for the purpose of his business, his entitlement to pay tax at fixed rate or amount in lieu of the tax payable shall cease from the date on which his gross turnover first exceeded forty lacs rupees or, as the case may be, he first sold the goods imported by him from outside the State.

A new sub-rule shall be added below sub-rule (3) of rule 11 of the said Rules as follows:

"(4)- Subject to provisions contained in sub-section (1A) of section 15 of the Act, dealers opting for compounding and whose gross turnover does not exceed Rs. forty lacs during a financial year shall pay a fixed amount as notified in two equal instalments, first instalment by 30th September and second instalment by 31st March respectively." Dealers concerned may pay the notified amount in September at a time.

(2) Notwithstanding anything contained in the Act, no scrutiny or audit shall be done against such compounding dealers.

(3) Notification No. S.O. 79, dated 13th September 2007 issued under section 15 (1) of the Act prescribing rate of tax at 0.5 per centum of the taxable turnover shall stand cancelled.

(4) This notification shall come into force from the date of issue.

(No. Bikri Kar/Sansodhaan-02/2010—3618 Anu.)

By order of the Governor of Bihar,

J. R. K. RAO,

Commissioner-cum-Principal Secretary.

FORM A-XIA

Intimation under sub section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005
[See rule 11 (2)]

To,

The
..... Circle.

I, (full name), son of (full name)
hereby submit this information under sub-section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 and through following particulars for that purpose:

- (1) Name & Style of business-
- (2) Taxpayer Identification Number (TIN)-
- (3) Gross Turn over during the immediately preceding year (Applicable to dealers opting to pay tax under sub-section (1A) of section 15 of the Act)-

Declaration

I do hereby declare that the particulars furnished in this application are correct and complete to the best of my knowledge and belief.

I further declare that I shall inform the Department as soon as I purchase/receive any goods from outside Bihar.

Place *Signature of the applicant*
 Date *Status in relation to the dealer*
Permanent address

The application shall be signed by the proprietor of the business if an individual; by the Karta, if an undivided Hindu family, by an authorized partner in the case of a firm; by a managing director, managing agent or principal executive officer in the case of a company or corporation; by the Principal executive officer –in-charge of in the case of society, club, association, department of Government or local authority.

ACKNOWLEDGEMENT

Received on from an application in Form A-XIA for permission to pay tax under sub-section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005.

Signature
Designation

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 163, दिनांक 12 अगस्त, 2010—बिहार मूल्य वर्द्धित—कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा—93 की उप—धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित—कर नियमावली, 2005 के नियम 19 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:—

संशोधन

उक्त नियमावली के नियम 19 के उप—नियम (3क) के नीचे एक नया उप—नियम निम्नवत् जोड़ा जायेगा:—

“(3ख)—अधिनियम की धारा 24 की उप—धारा (4क) में सन्निहित प्रावधानों के अध्यक्षीन समाहितीकरण लेनेवाले व्यवसायी, जिनका वार्षिक सकल आवर्त नियमावली के नियम 11 में विनिर्दिष्ट नियत सीमा से अधिक नहीं है, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए एक वार्षिक प्रतिवेदन विहित प्रपत्र, आर०टी० IV, भाग ‘कक’ में दाखिल करेगा।”

(2) यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

(सं० बिक्री कर/संशोधन—02/2010—3618 अनु०)

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

12 अगस्त 2010

एस०ओ० 164, एस०ओ० 163, दिनांक 12 अगस्त, 2010 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार—राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद—348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० बिक्री कर/संशोधन—02/2010—3618 अनु०)

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

जे० आर० के० राव,

वाणिज्य—कर आयुक्त—सह—प्रधान सचिव।

फारम RT-IV

बिहार मूल्य वर्द्धित—कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 (1क) के अधीन कर देने वाले व्यवहारी द्वारा दाखिल की जानेवाली वार्षिक विवरणी।

[देखें नियम—19(3ख)]

व्यवहारी का नाम एवं अधिनाम :

करदाता पहचान संख्या (टिन) :

वार्षिक विवरणी की अवधि :

खण्ड—कक

(धारा—15 की उप—धारा(1क) के अधीन भुगतान हेतु प्राधिकृत व्यवहारियों द्वारा भरा जायेगा)

अवधि में

सकल आवर्त :
कराधेय आवर्त :
अवधि के दौरान कुल खरीद :
अवधि हेतु कुल कर :
भुगतान विवरण :

तिथि
स्थान

प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर
व्यवसायों से आवेदक की प्रारिस्थिति

* भुगतान के तरीके एवं चालान संख्या को स्पष्ट करें।

The 12th August 2010

S.O. 163, dated the 12th August 2010—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendment to rule 19 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005:-

AMENDMENT

A new sub-rule shall be added below sub-rule (3A) of rule 19 of the said Rules as follows:-

“3B- Subject to provisions contained in sub-section (4A) of section 24 of the Act, compounding dealers, whose annual gross turnover does not exceed a fixed limit specified under rule 11 of the Rules, shall furnish an annual statement in the prescribed form RT-IV-Part AA for every financial Year.

(2) This notification shall come into force from the date of issue.

(No. Bikri Kar/Sansodhaan-02/2010—3618 Anu.)

By order of the Governor of Bihar,

J. R. K. RAO,

Commissioner-cum-Principal Secretary.

FORM RT-IV

Annual Return to be filed by dealers paying tax under section 15 (1A) of the Bihar Value Added Tax Act, 2005

[See RULE 19 (3B)]

Name and style of the dealer :
Taxpayer Identification Number :
Period of the annual return :

PART AA

[Required to be filled up only by dealers permitted to pay under sub-section (1A) of section 15]

During
the
period

Gross turnover
Taxable Turnover

Total Purchases during the period
Total Tax for the period
Payment Details:

Date.....

Signature of authorized person

Place.....

Status in relation to dealer

* Mention mode of payment and challan number.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 568-571+1000-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>